रसमञ्जरी

मैथिली व्यावहारिक, भक्ति एवं समस्त संस्कारगीत

Vijoy Shankar Mallik

विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति'

रसमञ्जरी

(भक्ति, संस्कार, एवं व्यावहारिक गीत)

Vijoy Shankar Mallik

विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति'

प्रकाशक

विविधा

बी-402, श्रीराम कुंज अपार्टमेंट,

रोड नं.- 4, महेशनगर, पोस्ट- केसरीनगर,

पटना- 800024

२०१६

रसमञ्जरी(मैथिली गीत संग्रह)

लेखक- विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति'

संपादक- भैरव लाल दास

प्रकाशक- विविधा, बी-402, श्रीराम कुंज अपार्टमेंट, रोड नं.- 4, महेशनगर, पोस्ट- केसरीनगर, पटना- 800024

प्रकाशन वर्ष- 2016

Vijoy Shankar Mallik

© विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति'

ISBN 9788192121031

मूल्य- 300/- (तीन सय टाका मात्र)

वितरक- ALL I NEED, INDIA
17, 6th main, 2nd Cross, Vinayaka Layout,
Marthahalli, Bangluru, Karnataka- 560037
Ph.: 09740142299, 988673005
Wbsite: www.allineed.in

Rasamanjari, (Maithili Geeta-Sangraha) by Vijay Shankar Mallik Sudhapati , published by Vividha, Patna, 2016

Printed by: Shri Krishna Industries, www.shrikrishnaind.co.in,
Mail: shrikis@rediffmail.com, Mob: 09422669133

अनुक्रमणिका

गीत	विषय	पृष्ठ संख्या
वन्दना		१-१०
1. श्रीगणेश कहि शुरु करै छी	श्री गणेशजी	
2. सुनु गौरीक सुत शिव शम्भूक	श्री गणेशजी	
3. हे! ब्रह्माणी ब्रह्म सृष्टि जग	माँ सरस्वतीक	
4. आबि बिराजू हमर हृदय मे	माँ सरस्वतीक	
5. सतत् हम गाबी गीत सुगीत	माँ सरस्वतीक	
6. सुरसरि सरिस ने दोसर सरिता	माँ गंगाक	
7. विष्णुप्रिया व्रत जौं करी मन सौं	माँ लक्ष्मीक	
8. वयस हमर अछि थोड़ हे मैया	माँ भगवतीक	
9. आइ तुअ दर्शन देलि मैया	माँ भगवतीक	
10. माँ विकट रुप एहेन नहि देखल	माँ भगवतीक	
11. ने लय ने छन्द न ज्ञान कथुक	माँ भगवतीक	
12. दर्शन कियै ने दै छी मैया	माँ भगवतीक	
आरती		११-१२
13. अर्चना करी हम भगवती के	माँ भगवतीक आरती	
14. त्रिभुवन तारिणी भव भय हारिणी	माँ भगवतीक आरती	
धर्मराज बाबाक गीत		१३-१४
15. धर्मराज अहाँ धर्मक मालिक	धर्मराज बाबाक	
16. दीअ' दीअ' दीअ' धरमराज दीअ'	धर्मराज बाबाक	
ब्राह्मण बाबू क गीत		१५
17. ब्राह्मण बाबू यौ ठाढ़ हम	ब्राह्मण बाबूक	
श्री सत्यनारायण स्वामीक वन्दना		१६-१९
18. सब सत्यनारायण स्वामी भजु	श्रीसत्यनारायण स्वामीक	
19. स्वामी सत्यनारायण के सब करी	श्रीसत्यनारायण स्वामीक	
20. धन्यभाग्य अछि आइ हमर घर	श्रीसत्यनारायण स्वामीक	
21. हम आरती करै छी	श्रीसत्यनारायण स्वामीक	

Vijoy Shankar Mallik

49. तेजि पापक डगर भरि गंग गागर	शिव काँवर गीत	
50 सुनु कमरथुआ जाउ अहाँ सब	शिव काँवर गीत	
51. सब केसरिया वस्त्र पहिरने	शिव काँवर गीत	
52. नगर नगर के बम सब पहुँचल	शिव काँवर गीत	
53. युग युग सँअ पियासल अतमा	शिव काँवर गीत	
श्री चित्रगुप्तजीक वन्दना		४५-४७
54. शुचि मे प्रेम मन लाय	श्री चित्रगुप्तजीक	
55. आयल कार्तिक धवल द्वितीया	श्री चित्रगुप्तजीक	
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी		४८-५३
56. मथुराक राजा उग्रसेन बन्दिगृह	श्रीकृष्ण-जन्माष्टमी	
57. ललना पलना झुलाबय	श्रीकृष्ण-जन्माष्टमी सोहर	
58. कारागार मे देवकी ओ वसुदेवहि साथ	श्री कृष्ण जन्माष्टमी कवित्त	
59. नन्द घर श्रीकृष्ण जनमल	श्री कृष्ण जन्माष्टमी सोहर	
मधुश्रावणी गीत		५४-५७
60. मधुश्रावणी मिथिला के पाबनि	मधुश्रावणीक	
61. मधुश्रावणी मिथिलानी लेल थीक	मधुश्रावणीक	
62. फूल लोढ़य जाथि नव नारि हे	मधुश्रावणीक	
63. सखि हे बड़ अद्भदई रचना विधि के	मधुश्रावणीक	
आनन्द गीत (कोजागरा)		५८
64. आसिनक इजोरिया मे अयली	कोजागरा	
राखी (रक्षाबन्धन)		५९-६२
65. पाबनि ई रक्ष बन्धन के	राखी (रक्षाबन्धन)	
66. राखी बड़ अनमोल गे बहिना	राखी	
67. बारहो महीनमा मे एके रे सावनमा	राखी	
68. युग युग जीबू मोर भइया	राखी	
भरदुतियाक गीत		६३-६५
69. कातिक इजोरिया मे एलै भरदुतिया	भरदुतियाक गीत	
70. आजु सकल बहिनजा के भरदुतिया	भरदुतियाक गीत	
71. आइ सुदिन दिन भाइ बहिन लेल	भरदुतियाक गीत	
छठि पूजाक गीत		६६-७३
72. आनि दीअ' आनि दीअ'	छठि पूजाक	
73. सखि साल भरिक छठि भूल	छठि पूजाक	

Vijoy Shankar Mallik

105. ढोल पिपहीक स्वर पहुँचल सुरपुर	उपनयनक (उद्योग)
106. बबुआ के बाबा बसु काशी ने	उपनयनक गीत
107. घर पछुआरबहिं बारी फुलवारी	उपनयनकगीत (बँसकट्टी)
108. कओने मासे जौ छिटि आयल रे	मूड़नक गीत (देहओंगारक)
109. जीवन आज सफल करु बाबा	मड़बठ ठठीक
110. बाँस गड़ाओल खुट्टा गड़ाओल	मड़बा छारक
111. आयल सुदिन दिन पूरल आस	मड़बा नीपक
112. खेतक आरिये आरिये बाग लगाओल	चरखा काटक
113. छिट्टा लीअ' खुरपी लीअ' चुल सखि	माँटि माङगर
114. जुनि जाउ आहे बाबा मगह बनारस	बम भराड़क
115. छगराधुर काल्हि शस्त्र पुजायल	बलि प्रदानक
116. असुर कंटक कसुर प्रचण्डक	बलि प्रदानक
117. ठामे पोखरी खुनाय तामे घाटो बनवाय	कुमरम (डहकन)
118. बुन्द बुन्द बरसे कारी बदरिया	कुमरम (डहकन)
119. रे हंजा तोहर चरण धय गोहराबइछी	जुटिका बन्धन
120. मड़बा पर जे मारल पालथी बाबा	जुटिकाबन्धन
121. सुत लय चललि सोहागिनि कि	शुभ काज मे जयबा कालक
122. जाहि दिन भ्रमर भ्रमल एहि कानन	आम महु विवाह (डहकन)
123. तरुणी तरुवर तनल बयस सौं	आम महु विवाह (डहकन)
124. सुनु सुनु बरुआक बाबा कि	शुभ काज क' क' अयलाक बाद
125. बइसल कियैक छी बरुआ	उपनयन कालक
126. बाबा निज बारिये कदलि लगाओल	उपनयन कालक
127. मड़बा घुमथि बाबा बरुआ आंगुर धए	उपनयन कालक
128. कोपीन पहिरल चोंगा धारल	भीख मंगबा कालक
129. हरि इच्छा बलबन्त अन्त धरि	भीख मंगबा कालक
130. कखनो तीत हजमा कखनो मीठ हजमा	हजाम के गारि
131. सुनियौ पण्डित मोहि पुरोहित	पण्डित के गारि
132. सरिसब तेल मे हरदि दही	बरुआ के नहेबा कालक
133. धन्य भाग्य हमर बाबा	जनउ पहिरबा कालक
134. आगे माइ बड़ अजगुता हम देखल	चुमाउन कालक
135. चुमाऊ, चुमाऊ हे कोशिल्या	चुमाउन कालक

Vijoy Shankar Mallik

कजरी १५१-१५२
165. पतिया पठाई पियबा कजरी
166. बड़ दुख दय गेल पियबा कजरी
167. नहि फोरु गगरिया हरि हमर कजरी
चौमासा १५३-१५५
168. साओन सुखद समीर नउतल चौमासा
169. बीतन नवान्न अगहन अगरा पिया चौमासा
170. चैत घर घर गीत गबबय चौमासा
171. पोरे पोरे उठल दरदिया चौमासा
सोहर १५६-१६३
172. जा जा री चेरि नृपति देखि सोहर
173. गावथि सुमंगल गीत सुमुखि सोहर
174. खुशी खुशी मंगल गाउ कि लल्लरा सोहर
175. दरदे दरद कहि चौंकलि सोहर
176. पीसू पीसू ऊबटन सोहर
177. गीत गाऊ सखी, देखि आउ सखी सोहर
178. अटर पटर नहि बाजू हे ननदी छठिहार
बेटी बिदाई आ विरहगीत १६४-१६५
179. नैहरा के बात बेटी, नैरहे बिसारु हे बेटीक विदाई
180. हे ऊधो कहु कियै श्याम ने एला समदाउन
समदाउन १६६-१६७
181. कओने नगर के ई महफा कहरिया समदाउन
182. दुअरे ठाढ़ राम रघुनन्दन समदाउन
183. कतेक जतन सँअ हम गौड़ी दाइ समदाउन
184. जनक महल सँअ निकसलि सीया समदाउन
उदासी १६८-१७०
185. दशरथ तेजल प्राण हरि हो उदासी
186. नाम अकरुर क्रूर हिरदइया रे उदासी
187. रथ ने विरथ करि जाउ मथुरा हरि उदासी
प्रेमगीत १६१-१७५
188. हमर कहल भल मानु हे मानिनि प्रेमगीत
189. हे यै भउजी अहाँ बड़ काजक प्रेमगीत
190. नव नारि बनल ने नुकाउ अहाँ प्रेमगीत
191. रहि रहि मन अकुलानी रे प्रेमगीत
192. मानिनि रहत मनक मलाल प्रेमगीत

Vijoy Shankar Mallik

श्री सत्यनारायण पूजा आरती

Vijoy Shankar Mallik

(4)

हम आरती करै छी, संग गीत ई गबय छी।
सुनु देव देवी सभक्यो अहाँ आबि ई देखै छी।। हम आरती करै छी...
छी बाति हम जराओल, कर्पूर रस मिलाओल।
धय ध्यान राम सीयके लछुमन मने पूजै छी।। हम आरती करै छी...
हे शिव शिवा हे दुरगा लक्ष्मी हरि ओ गणपति।
लय आदि अनादि नवग्रह किनको नहि छोड़ै छी।। हम आरती करै छी...
जय सत्यनारायण स्वामी, अहाँ छी लक्ष्मी रमना।।
सबसँ सहज अही यौ, गुर आँटे खुश रहै छी।। हम आरती करै छी...
अहाँ भाव के तकै छी, हम भाव मे डुबै छी।
करु पार दीन के नैया, सभके अहाँ सुनै छी।। हम आरती करै छी...
आरत बनल "सुधापति" बिध बाध किछु ने जानी।
सबकिछु करी समर्पण आशा पूरब बुझै छी।। हम आरती करै छी...

* * *

शिव काँवर गीत

(4)

Vijoy Shankar Mallik

बम बम बम बम सुनु बमभोला,
चलल हम पहिरि वसन्ती चोला।
डोला गंगा जलक उठा दौड़ल हम द्वार यौ,
लागल जहाँ दरबार यौ।। बम बम...

अहाँ तऽ दूरे आसन मारल,
कंकड़ पाथर बाट पसारल।
जंगल झाड़ पहाड़क दुर्गम कूल किनार यौ।। बम बम...

व्रती छी कोना कहब हम बढ़िआ,
माया मोहक रंग जमुनिआ।
तैयो छोडब नहिंये कहुखन अहँक नियार यौ।। बम बम...

छी अहाँ अढरन ढरन सदाशिव,
बाँटी हिस्सा मुलुक मोनाशिव।
"सुधापति" ऊँ नमः शिवाये जोड़ल तार यौ।। बम बम...